Political Geography
राजनीतिक भूगोल

Dr. Sabiha Khan
Assistant Professor
Department of Geography
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

- <u>**राजनीति का स्वरूप:**</u>
- **संविधान की रचना,**
- **राजनीतिक दलों का संगठन,**
- **चुनावी राजनीति,**
- **सरकारों का चयन,**
- **प्रशासनिक ढांचा,**

- सक्षम प्रशासन हेतु नीती निदेशक सिद्धांतों का निर्धारण,
- राज्य के मूल सिद्धांतों और उसकी मूल आवश्यकता के प्रति नागरिको का विश्वास,
- देश को एकता के सूत्र में बनाए रखना,
- पड़ोसी एवं विश्व के अन्य राष्ट्रों के साथ आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संबंधों को बनाए रखना।

- संविधान
- राजनीतिक दल
- सरकार
- सत्ता
- राजनीति और सामाजिक संबंध
- राजनीतिक प्रक्रिया

- 1. नागरिक आकांक्षाओं पर केंद्रित, जो कि राजनीतिक विमर्शस्वरूप प्रदान करती है।
- 2. सम्झौता आधारित समाधानकरती है जो कि भविष्य में एक चुनौती है।
- 3. सत्ता संघर्ष एवं साधन सम्पन्नता।
- 4. संस्था निर्माण-राजनीति का मूलआधार।
- 5. आधुनिक राजनीतिक नौकरशाही व्यवस्था।

- मानव भूगोल
- लेकिन उस गोल पृथ्वी के वातावरण से संबंधित है।
- पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं एवं सीमाओं का निरूपण करता है।

- भूगोल पृथ्वी के वातावरण का अध्ययन करता है भूगोल का प्रमुख उद्देश्य मानव पर्यावरण के रूप में पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध संभावना और सीमाओं की खोज करना है जो मानव विकास के लिए आवश्यक है भूगोल बहुपक्षीय विषय है भौगोलिक विविधता एवं अंतर संबंधों का सीमित ज्ञान ही उपलब्ध था 19वीं शताब्दी में इस ज्ञान में अपूर्व व सीमित वृद्धि हुई जिसके कारण पृथ्वी का समग्र अध्ययन करना और भी कठिन हो गया भूगोल में विशेष विशेष ई करण की आवश्यकता महसूस की गई अतः भौगोलिक अध्ययन क्षेत्र को क्रमबद्ध किया गया

- भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल का क्रमबद्ध एवं प्रादेशिक भूगोल।
- भूगोल में पृथ्वीका अध्ययन मानव केंद्रित है भूगोल विषय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान दोनों से ही संबंधित है।
- भूगोल का अपना एक विशिष्ट ऐतिहासिक सांस्कृतिक इतिहास है जिसमें मानव विकास की संभावनाओं एवं सीमाओं का क्षेत्रीय एवं स्थानिक विवरण उपलब्ध है।

- राजनीतिक भूगोल स्थानिक कालिक सामाजिक विकास का परिणाम है।
- राजनीति में संगठनात्मक निर्णय भविष्य की राजनीति को तय करते हैं
- राजनीतिक सत्ता का मूलभूत उद्देश्य राज्य के नागरिकों के मध्य सामंजस्य अनुशासन रखना तथा भौगोलिक इकाई को समग्रता प्रदान करना है।
- राजसत्ता का कर्तव्य सामाजिक द्वंद का न्याय पूर्ण समाधान करना है।

- संस्थागत लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रक्रिया के तीन प्रमुख आधार हैः
  - राज्य या राष्ट्र की जनसंख्या
  - भौगोलिक विस्तार या क्षेत्र
  - राज्य सत्ता
- राजनीतिक प्रक्रिया उपरोक्त तीनों के अंतर संबंधों पर निर्भर करती है

- नागरिक समष्टि -सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं भौतिक कारणों में परस्पर एकात्मकता।
- नागरिकों में राष्ट्रीय चेतना जो कि स्थानिक अवधारणा है।
- राष्ट्र के प्रति प्रेम का आधार अमूर्त और भौतिक प्रकार का होता है।
- अमूर्त राष्ट्रप्रेम किसी राष्ट्र की भौगोलिक क्षेत्र के दीर्घकालीन इतिहास का परिणाम होता है जबकि भौतिक राष्ट्रप्रेम वहां के संसाधनों के प्रति होता है।

- संसाधनों का आवंटन एक समस्या है।
- समस्या के बावजूद राष्ट्र की एकता शक्ति का प्रतीक होती है जो देश में विद्यमान नागरिकों के मध्य संप्रभुता को विकसित करती है तथा अन्य राष्ट्रों के साथ मजबूत संबंधों को बनाने में मदद करती है।
- देश की राजनीति आंशिक रूप से आंतरिक स्थितियों और आंशिक रूप से अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सम्मिलित पर प्रभाव का परिणाम है ।राष्ट्रीय समुदाय के विभिन्न वर्गों में क्षेत्रीय संसाधनों के वितरण हे तू हमेशा प्रतिस्पर्धा बनी रहती है अतः विभिन्न आवश्यकताओं आकांक्षाओं और विरोधी के साथ न्याय संगत

- उत्तर कोलंबस योग क्षेत्रीय उपनिवेश सीए दौर में राज्यों के विकास का क्षेत्रीय आयाम भौतिक स्तर पर विश्वव्यापी हो गया।
- समय के साथ ही राजनीतिक भूगोल में राजनीति के इन 3 मूलभूत आधारों में अवधारणा पक्षों में मान्यताएं बदली है तथा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक भूगोल के अध्ययन का विशिष्ट आधार रही है।
- समय के साथ इन तीन आधारभूत तत्वों में के पारस्परिक संबंधों में के संतुलन में कई बदलाव आए हैं जो कि एक शाश्वत प्रक्रिया है फतेह राजनीतिक भूगोल परिवर्तनशील राजनीतिक संबंधों का क्षेत्रीय निरूपण एवं विश्लेषण है।

- संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था राष्ट्र राज्य और भूमि के त्रिपक्षीय अंतर संबंध से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से संबंध होती है।
- सामाजिक मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय चेतना ,नागरिक अधिकार, राष्ट्र सत्ता का बोध होता है जिसके कारण राज्य के सामने कई नहीं मांगे आती है जिनके समाधान हेतु नई नीतियों का निर्धारण करना होता है जिन के क्रियान्वयन के फलस्वरूप क्षेत्रीय भू दृश्यों में परिवर्तन होते हैं यह घटनाक्रम सतत चलता है।

- राजनीतिक भूगोल का अध्ययन क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है क्योंकि राजनीतिक प्रक्रिया स्वभाव से ही क्षेत्र परक प्रक्रिया है जिसमें संबंध सामाजिक समूह की स्थानिक था और शत्रुता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।
- समय के साथ भूगोल से संबंधित कालिक एवं स्थानिक परिवर्तनों के आधार पर विशेष क्षेत्र में कई परिवर्तन आए।

धन्यवाद

Disclaimer: The content displayed in the PPT has been taken from variety of different websites and book sources. This study material has been created for the academic benefits of the students alone and I do not seek any personal advantage out of it.